दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 04 अप्रैल 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 185

महत्वपूर्ण एवं खास

इराक मई से साल के अंत तक 211,000 बैरल रोज तेल उत्पादन में करेगा कटौती

बगदाद(आरएनएस)। देश के तेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इराक मई से इस साल के अंत तक तेल उत्पादन में 211,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) की कटौती करेगा। यह कदम वैश्विक तेल बाजार को स्थिर करने के लिए पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और उसके सहयोगियों के कुछ देशों के साथ समन्वय में लिया गया एक एहतियाती उपाय है। मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि इराक 4.5 मिलियन बीपीडी से अधिक उत्पादन कर रहा है। पिछले साल फरवरी में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद से तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इससे इराक समेत तेल निर्यातक देशों को फायदा हुआ है। हालांकि, पिछले कुछ महीनों में वैश्विक बाजारों में कम मांग की आशंका के कारण तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इराक की अर्थव्यवस्था कच्चे तेल के निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर करती है, जो इसके राजस्व का 90 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा है।

मानहानि केस में राहुल गांधी को मिली जमानत, 13 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट से सोमवार को 13 अप्रैल तक जमानत मिल गई है। इसके साथ कांग्रेस नेता ने अपनी सजा को भी चुनौती दी है, जिस पर तीन मई को सुनवाई होगी। जमानत मिलने के बाद राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि 'ये 'मित्रकाल' के विरुद्ध, लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। इस संघर्ष में, सत्य मेरा अस्त्र है, और सत्य ही मेरा आसरा!' बता दें, दरअसल 2019 में चुनाव कैंपेन के दौरान राहुल गांधी ने कर्नाटक में एक प्रचार रैली में मोदी सरनेम पर एक बयान दिया था। जिसके बाद गुजरात के एक विधायक पुरुणेश मोदी ने उनके खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस दायर किया था।

फिलहाल जेल में ही रहेंगे मनीष सिसोदिया, 17 अप्रैल तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के चर्चित शराब नीति घोटाला मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आज भी अदालत से राहत नहीं मिली। राउज़ एवेन्यु कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ा दी है। वैसे आज सिसोदिया की न्यायिक हिरासत खत्म हो गई थी, जिसके बाद सीबीआई ने उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था। सीबीआई की ओर से पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने अदालत को बताया कि जांच अहम मोड़ पर है, इसलिए हम सिसोदिया की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया की कोर्ट में पेशी के दौरान आप मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

इजराइल ने सीरिया के मानवरहित विमान को मार गिराया

यरुशलम । इजरायली सेना ने सीरिया से इजरायली हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले एक मानवरहित विमान को मार गिराया। इजराइली वायु सेना ने विमान का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर और लड़ाकू जेट भेजे, जो सीरिया की दिशा से इजरायली क्षेत्र में प्रवेश कर रहा था। विमान को खुले क्षेत्र में मार गिराया गया। बयान में कहा गया है कि इजराइली सैनिकों को विमान का मलबा इकट्ठा करने के लिए भेजा गया था। घटना की समीक्षा की जा रही है। यह घटना सीरिया के होम्स प्रांत में इजराइल के हवाई हमलों के कई घंटों बाद हुई, इसमें पांच सैनिक घायल हो गए।

सेंट पीटर्सबर्ग के कैफे में हुए विस्फोट से रूस की सेना के ब्लॉगर की मौत

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग के एक कैफे में हुए विस्फोट में रूसी सेना के ब्लॉगर की मौत हो गई और 16 अन्य लोग घायल हुए हैं। रूस के गृह मंत्रालय ने ब्लॉगर व्लादलेन ततार्स्की की मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि स्ट्रीट बार कैफे में हुए विस्फोट में रूसी सेना के ब्लॉगर की मौत हो गई तथा कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि विस्फोट के बाद पोस्ट किए गए वीडियो में सडक़ पर घायल लोग देखे गए हैं। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार व्लादलेन को तोहफे के तौर पर दिए गए एक बॉक्स में बम उसमें छुपाया गया था।

एनसीईआरटी ने इतिहास की किताब में किया बदलाव, मुगल साम्राज्य समेत कई अध्याय हटाए गए

नई दिल्ली (आरएनएस)। एनसीईआरटी द्वारा इतिहास की पुस्तक के सिलेबस में बदलाव किया गया है। यह बदलाव 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इतिहास की पाठ्य पुस्तक में किया गया है। इसके तहत मुगल साम्राज्य के अध्याय को हटा दिया गया है। इसके साथ ही एनसीआरटी ने कई अध्याय हटाने का निर्णय लिया है। पाठ्य पुस्तकों में किए गए बदलाव के अंतर्गत एनसीईआरटी ने 'किंग्स एंड क्रॉनिकल्स, मुगल दरबार (सी. 16वीं और 17वीं सदी)' 'थीम्स ऑफ इंडियन हिस्ट्री-पार्ट 2' से हटा दिया है। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग यानी एनसीईआरटी द्वारा किए गए बदलाव के बाद अब 12वीं कक्षा के छात्र मुगल साम्राज्य का इतिहास नहीं पढ़ेंगे। सिलेबस में यह बदलाव देशभर के उन सभी स्कूलों व छात्रों के लिए लागू होगा जहां एनसीईआरटी की किताबें कोर्स का हिस्सा हैं।

गौरतलब है कि सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में एनसीईआरटी द्वारा तैयार की गई पुस्तकें लागू होती हैं, इस हिसाब से सीबीएसई बोर्ड के लगभग सभी स्कूलों में यह बदलाव देखने को मिलेगा। सीबीएसई के अलावा यूपी बोर्ड ने भी एनसीईआरटी की कई किताबों को लागू किया है, इसलिए वहां भी इतिहास की पाठ्यपुस्तक में यह बदलाव देखने को मिल सकता है। एनसीईआरटी ने इसी तरह से हिंदी की पुस्तकों में से भी कुछ कविताएं व पैराग्राफ हटाने का निर्णय लिया है।

एनसीईआरटी के मुताबिक सिलेबस में जो भी बदलाव किया गया है उसे मौजूदा शैक्षणिक सत्र यानी बदलाव 2023-24 से ही लागू कर दिया जाएगा। हालांकि ऐसा नहीं है कि एनसीईआरटी ने केवल यही बदलाव किया है बल्कि इतिहास के अलावा भी अन्य पुस्तकों में कई छोटे-बड़े बदलाव किए गए हैं।

एनसीईआरटी ने सिविक्स की पुस्तक में बदलाव करते हुए 'विश्व राजनीति में अमेरिकी आधिपत्य' और 'द कोल्ड वॉर एरा' नामक अध्याय हटाने का निर्णय लिया है। बदलावों को जारी रखते हुए एनसीईआरटी ने कक्षा 12वीं की पाठ्यपुस्तक 'स्वतंत्रता के बाद भारतीय राजनीति' से 'लोकप्रिय आंदोलनों का उदय' और 'एकदलीय प्रभुत्व का युग' अध्याय हटाए हैं।

मौजूदा शैक्षणिक सत्र से होने जा रहे बदलाव केवल 12वीं कक्षा तक ही सीमित नहीं है बल्कि 10वीं और 11वीं कक्षा की पुस्तकों से भी कई अध्यायों को हटाया गया है। कक्षा 11वीं की पाठ्यपुस्तक 'थीम्स इन वर्ल्ड हिस्ट्री' से 'सेंट्रल इस्लामिक लैंड्स', 'संस्कृतियों का टकराव' और 'औद्योगिक क्रांति' जैसे अध्याय हटा दिए गए हैं। इसी प्रकार कक्षा 10वीं की पाठ्यपुस्तक 'लोकतांत्रिक राजनीति-2' से 'लोकतंत्र और विविधता', 'लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन', 'लोकतंत्र की चुनौतियां' पर अध्याय हटा दिए गए हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों ने इन बदलावों की पुष्टि करते हुए कहा है कि तैयार किए गए नए सिलेबस व पाठ्य पुस्तकों को इसी वर्ष से अपडेट किया गया है और इन्हें विभिन्न स्कूलों में लागू किया जा रहा है। वहीं यूपी बोर्ड ने भी बदलाव के साथ नए सिलेबस को अपने स्कूलों में अपडेट किया है।

असम में जब्त की गई करोड़ों की याबा टैबलेट, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के सिलचर शहर में सोमवार को मिजोरम जाने वाले एक वाहन से करोड़ों रुपये की कीमत वाले पांच लाख याबा टैबलेट जब्त किए गए। ये टैबलेट कम से कम 50 पैकेट में बंद थे। एक अधिकारी ने कहा कि इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, वाहन कछार में अंतर्राज्यीय सीमा से होते हुए असम में दाखिल हुआ था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन को पकड़ लिया। मादक पदार्थ म्यांमार से मंगाए गए थे। अधिकारी ने कहा, याबा टैबलेट वाले कम से कम 50 पैकेट बरामद किए गए हैं। जब्त की गई दवाओं का बाजार मूल्य करोड़ों में है।

नशा तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस कार्रवाई की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, कछार पुलिस ने पड़ोसी राज्य सिलचर में म्यांमार से आ रही एक खेप से 5 लाख याबा टैबलेट वाले 50 पैकेट बरामद किए। दो आरोपियों को भी पकड़ा। असम पुलिस का शानदार काम। लगे रहो।

उदयपुर में हैवानियत : 9 साल की बच्ची का अपहरण, फिर दरिंदगी के बाद हत्या कर शव के किए 10 टुकड़े

उदयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के उदयपुर जिले के मावली थाना क्षेत्र में 9 वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने तथा शव के 10 टुकड़े करने का मामला सामने आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि लोपड़ा गांव में रहने वाली नौ साल की आदिवासी समाज की बच्ची के परिजनों ने 29 मार्च को उसकी गुमशुदगी और अपहरण का मामला दर्ज करवाया था।

उदयपुर के जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने बताया कि शनिवार को नौ वर्षीय बच्ची का शव क्षप्त-विक्षप्त हालात में घर से कुछ दूरी पर एक मकान के खंडर से बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि बच्ची की 29 मार्च को गुमशुदगी और अपहरण का मुकदमा परिजनों की ओर से दर्ज करवाया गया था और पुलिस तथा ग्रामीणों के सहयोग से उसकी तलाश की जा रही थी। जांच से पता चला कि पड़ोस में रहने वाले

आरोपी कमलेश ने बच्ची का अपहरण कर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया निर्मम तरीके से उसकी हत्या कर दी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कमलेश को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि आरोपी ने बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म संभवत: अपने घर पर किया और बाद में उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने बच्ची को प्रलोभन देकर बुलाया गया था और उसके साथ कथित दुष्कर्म किया।

चलती ट्रेन में आतंकी साजिश! 3 लोगों पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया, दो वर्षीय बच्चे सहित तीन लोगों की मौत, 9 बुरी तरह झुलसे

कोझिकोड (आरएनएस)। केरल के इलाथुर में अलप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन (16307) के डी-1 डिब्बे में एक युवक ने बर्बरतापूर्ण तरीके से यात्रियों पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल कर आग लगा दी। आग से बचने के प्रयास में दो वर्षीय बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन महिलाओं सहित नौ अन्य यात्री झुलसने से घायल हो गए।

झकझोर देने वाली घटना रविवार रात को हुई। पुलिस ने रेलवे ट्रैक से संदिग्ध हमलावर का एक बैग भी बरामद किया। बैग में दो मोबाइल और एक बोतल पेट्रोल और नोटपैड मिले है और आरोपी को पकडऩे के

लिए जांच जारी है। पुलिस को पास की इमारत में लगे सीसीटीवी फुटेज मिले है जिसमें कथित हमलावर मोटर बाइक के साथ दिखा है। पुलिस का कहना है कि आतंकी एंगल से इनकार नहीं किया जा सकता है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को लगभग 0130 बजे कोरापुझा पुल के पास एलाथुर में रेलवे ट्रैक में तीन शव पाए गए। जिनकी पहचान मछली व्यापारी नौफीक (40), और रहमथ (45) के रूप में हुई और दोनों कन्नूर जिले के मट्टानूर के रहने वाले थे। एक शव रहमथ की बहन की बेटी (2) का था। इस घटना में घायल अन्य लोगों को पुलिस ने आसपास के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया है।

यह घटना रविवार को लगभग 2130 बजे हुई, जब ट्रेन इलाथुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। एक युवक डी-2 कोच से डी-1 में घुस गया और बैठे यात्रियों पर ज्वलनशील तरल अथवा पेट्रोल डाला और सह-यात्रियों को आग लगा दी। फिर उन्होंने डिब्बे की इमरजेंसी चेन खींच दी और ट्रेन कोरापुझा पुल पर रुक गई। तीनों यात्रियों ने डिब्बे से कूदने की कोशिश की जिनके शव सोमवार तडक़े मिले।

अस्पताल के सूत्रों के अनुसार सभी यात्रियों की स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर है। जिला पुलिस प्रमुख राजपाल मीणा और कोईलैंडी के दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और यात्रियों को अस्पतालों में पहुंचाया। रेलवे पुलिस, सिटी पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने रेलवे ट्रैक से बरामद कोच और बैग से साक्ष्य एकत्र किए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए केएमसीएच ले जाया गया।

देश में मिले लिथियम भंडार के खनन में मदद करेगा चिली

जम्मू (आरएनएस)। चिली सबसे अधिक लिथियम भंडार वाला देश और दूसरा सबसे बड़ा वैश्विक लिथियम उत्पादक कंपनी एसक्यूएम का घर है। अब देश भारत के साथ लिथियम के खनन करने के लिए साझेदारी करने का इच्छुक है। इसके चलते चिली की ओर से टेक्निकल एक्सपर्ट्स मुहैया कराए जा सकते हैं ताकि आसानी से लिथियम का भंडार निकाला जा सके। जम्मू-कश्मीर में इसी साल की शुरुआत में 59 लाख टन लिथियम के विशाल भंडार के बारे में जानकारी मिली थी। सफेद सोना कहे जाने वाले लिथियम भंडार के मिलने को भारत के लिए बड़ी उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है।

लिथियम का इस्तेमाल बैटरियों में होता है। इस तरह यदि लिथियम के इस भंडार का इस्तेमाल होता है तो फिर भारत में इलेक्ट्रिक कारों को तैयार किया जा सकेगा। खासतौर पर चीन समेत कई अन्य देशों से

आयात पर निर्भरता में बड़ी कमी आएगी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में मिले इस भंडार से राज्य के विकास को लेकर भी उम्मीदें जगी हैं। चिली के विदेश मंत्रालय के सेक्रेटरी जनरल एलेक्स वेट्जिग ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, 'यदि भारत सरकार औपचारिक तौर पर संपर्क करती है तो हम तैयार हैं।'

उन्होंने शुक्रवार को ही भारतीय विदेश मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। इलेक्ट्रिक वीकल्स की बैटरियों में लिथियम का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में होता है। इसके अलावा लैपटॉप और मोबाइल फोन्स में भी इनका यूज किया जाता है। यदि लिथियम बैटरी भारत खुद ही तैयार करने में सफल हो जाता है तो इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का सबसे बड़ा हिस्सा बैटरी ही होता है। इस लिहाज से लिथियम का भंडार मिलने को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चमत्कार के तौर पर देखा जा रहा है।

लिथियम के लिए भारत अब तक ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना जैसे देशों पर निर्भर था। माना जाता है कि डीज़ल और पेट्रोल गाडिय़ों से होने वाला प्रदूषण कम करने की दिशा में ये बेहद महत्वपूर्ण है। भारत सरकार ने तो 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी में बड़ा इजाफा करने का भी फैसला लिया है। इस लिहाज से लिथियम भारत की तैयारियों के लिहाज से भी अहम है। गौरतलब है कि चिली के पास दुनिया का 48 फीसदी लिथियम भंडार है।

झारखंड में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 25-25 लाख के इनामी नक्सली समेत पांच ढेर

रांची (आरएनएस)। झारखंड के चतरा जिला अंतर्गत लावालौंग थाना क्षेत्र में सोमवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में कम से कम पांच हार्डकोर माओवादी नक्सली मारे गए। इनमें से दो पर 25-25 लाख रुपये का इनाम घोषित था, जबकि दो पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जंगली इलाके में हुई इस मुठभेड़ के बाद पुलिस सर्च अभियान चला रही है, जिसमें कई ए.के-47 और इंसास राइफलों के अलावा बड़ी संख्या में हथियार, बम-बारूद की बरामदगी हुई है।

एसपी राकेश रंजन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि पांच नक्सली मारे गए हैं और अभियान जारी है। पुलिस का कहना है कि मारे गए नक्सलियों की संख्या पांच से भी ज्यादा हो सकती है। पूरे इलाके की तलाशी के बाद पूरी जानाकरी सामने आ पाएगी। बताया गया कि चतरा जिला पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टुकडिय़ां पलामू जिले से सटे लावालौंग थाना क्षेत्र के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही थीं। इसी दौरान जंगल में घात लगाए नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में पुलिस और अर्धसैन्य बल के जवानों ने भी मोर्चा लेकर फायरिंग की। दोनों तरफ से लगातार लगभग तीन घंटे तक फायरिंग होती रही। अंतत: पुलिस को भारी पड़ता देख ज्यादातर नक्सली फरार हो गए।

मौत के मुंह में समाए भरतीय परिवार की तस्वीर आई सामने, कनाडा से अवैध रूप से जा रहे थे यूएस

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुजरात के चार लोगों का एक परिवार उन आठ लोगों में शामिल है, जो इस सप्ताह सेंट लॉरेंस नदी के पार नाव से कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश में मारे गए थे। बता दें कि एक साल पहले गांव के एक परिवार की लाशें हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका-कनाडा बॉर्डर इलाके में बरामद हुई थीं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि परिवार के दंपति और उनके 2 बच्चे अवैध रूप से कनाडा-अमेरिका सीमा को पार करने की कोशिश करने के दौरान भयावह सर्दी की चपेट में आ गए थे जिससे उनकी मौत हो गई थी। बताया जाता है कि यह परिवार जिस इलाके से गुजर रहा था वहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे गिर गया था। इस परिवार का अमेरिका में बसने का सपना था। इस हैरान करने वाली घटना की जैसे जैसे छानबीन हो रही है, वैसे वैसे चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने कनाडा-अमेरिका सीमा पर एक गुजराती परिवार के चार सदस्यों की मौत के मामले में अवैध तरीके से विदेश भेजने के आरोप में दो एजेंट को गिरफ्तार किया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने गांधीनगर के कलोल और अहमदाबाद से दो एजेंट को गिरफ्तार किया। यही नहीं गुजरात पुलिस ने इस मामले में कनाडा और अमेरिका में रहने वाले दो अन्य लोगों को भी वॉन्टेड घोषित किया है। इन

पर गुजरात के 11 लोगों को अवैध रूप से कनाडा से अमेरिका भेजने का आरोप है।

मालूम हो कि लगभग एक साल पहले जनवरी 2022 में गुजरात की कलोल तालुका के डिंगुचा गांव के रहने वाले जगदीश पटेल, उनकी पत्नी और दो बच्चों की अमेरिका-कनाडा सीमा पर अत्यधिक ठंड से मौत हो गई थी। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) चैतन्य मांडलिक ने संवाददाताओं को बताया कि अब तक की छानबीन में पाया गया है कि आरोपियों ने गुजरात से 11 व्यक्तियों को अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा (अमेरिका-कनाडा) पार कराने में भूमिका निभाई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, छानबीन में पाया गया है कि डिंगुचा गांव को छोडऩे वाले जगदीश पटेल का परिवार इन्हीं एजेंटों के चक्कर में फंस गया था। एजेंटों के कहने पर ही इस परिवार ने प्रतिकूल मौसम में सफर करने का जोखिम लिया। कनाडा की जानलेवा सर्दी में जगदीश पटेल के परिवार के साथ 11 लोगों को उनके हाल पर छोडऩे वाले इन एजेंटों ने अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की पूछताछ में सनसनीखेज खुलासे किए हैं। एजेंटों ने इन लोगों से कहा था कि आप सभी को -35 डिग्री में चलना पड़ेगा, ऐसा नहीं किया तो अमेरिका और कनाडा की पुलिस पकड़ लेगी। सभी लोगों को घुप्प अंधेरे में अमेरिका सीमा में आने वाले पेट्रोल पंप की लाइट की तरफ बढ़ते रहना होगा। इसके अलावा किसी को कुछ नहीं दिखाई देगा।

मालूम हो कि एजेंटों के झांसे में आया जगदीश पटेल का परिवार अमेरिका की सीमा से कुछ दूर पहले बर्फ में फंस गया था। इस परिवार की भयंकर ठंड के बीच फंसने मौत हो गई थी। अमेरिका और कनाडा के पुलिसकर्मियों को इस परिवार के शव बर्फ में पाए गए थे। डिंगुचा गांव के जगदीश पटेल ने अमेरिका में बसने के अपने सपने को पूरा करने के लिए इन फर्जी एजेंटो को मोटी रकम चुकाई थी। इन एजेंटों ने इस परिवार को अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल कराने की कोशिश की थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी चैतन्य मांडलिक ने बताया कि कनाडा के दो एजेंट फेनिल पटेल और बिट्टू पाजी इस मामले में वॉन्टेड करार दिया गया है। एजेंट यह जानते थे कि भीषण सर्दी में लोगों की जान जा सकती है फिर भी सीमा पार कराने पर जोर डाला।

एजेंटों का मानना था कि मौसम जितना खराब होगा लोगों को अवैध तरीके से सीमा पार कराना उतना ही आसान होगा। वहीं जगदीश पटेल अपने दो मासूम बच्चों और पत्नी के साथ भयानक ठंड के बीच सीमा पार करने के लिए तैयार नहीं थे। एजेंटों ने इन लोगों से कहा था कि यदि उन्होंने सीमा पार नहीं की तो उनको भारत वापस जाना होगा या फिर कनाडा में ही रहना पड़ेगा।